Developed by

Co-funded by

In partnership with

सनरेफ इंडिया - भारत में हरित आवास में योगदान

राष्ट्रीय आवास बैंक, एएफडी एवं यूरोपीय संघ ने देश में हरित किफायती आवास के कार्यान्वयन में अभिगमता को साझा किया

25 जुलाई, 2022 (सोमवार), नई दिल्ली

राष्ट्रीय आवास बैंक (रा.आ.बैंक) ने दिनांक 25 जुलाई, 2022 को सिल्वर ओक, भारत पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में देश में हरित आवास के लिए **प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग एवं ऊर्जा वित्त (सनरेफ) इंडिया आवास कार्यक्रम** के योगदान को प्रदर्शित करने हेतु फाइनल कार्यक्रम का आयोजन किया। क्रिसिल रिस्क एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस (सीआरआईएस) लिमिटेड, सनरेफ कार्यक्रम को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।

भारत में सनरेफ कार्यक्रम हरित किफायती आवास परियोजनाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से अप्रैल 2019 में आरंभ हुआ। विगत तीन वर्षों में, सनरेफ इंडिया हरित कार्यक्रम ने 5,300 परिवारों को लगभग 100 मिलियन यूरो का पुनर्वित्त प्रदान किया है, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक महिला स्वामी हैं एवं उनमें से आधे परिवार निम्न आय वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हैं।

रा.आ.बैंक के प्रयास जलवायु परिवर्तन का समर्थन करने हेतु देश में हरित किफायती आवास को बढ़ाने के लिए भारत सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप है।

विगत तीन वर्षों में, कार्यक्रम ने 20 प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं 6 कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिसमें 1,500+ लोगों को हरित आवास की विभिन्न अवधारणाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम ने विभिन्न ज्ञान संपार्श्विक विकसित किए हैं, जिसमें भारत में सनरेफ इंडिया कार्यक्रम को प्रचारित करने हेतु हरित आवास के लाभों से संबंधित ब्रोशर, पत्रक, सक्सेस स्टोरी बुकलेट्स, फिल्म प्रचारक, एवं टीवी विज्ञापन शामिल हैं।

अंतिम कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से बहुपक्षीय/द्विपक्षीय एजेंसियों, आवास वित्त कंपनियों, अचल संपत्ति विकासकर्ता, सरकारी एजेंसियों, हरित निर्माण विशेषज्ञों, वास्तुकार एवं हरित सामग्री उत्पादकों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता दर्ज की।

इस कार्यक्रम में श्री एस.के. होता, प्रबंध निदेशक – राष्ट्रीय आवास बैंक, श्री लॉरेंट ले डैनोइस, अटैच, प्रतिनिधि, यूरोपीय संघ, भारत एवं भूटान के समन्वय अनुभाग के टीम लीडर एवं श्री जैकी एम्प्रो - क्षेत्रीय निदेशक, एएफडी दक्षिण एशिया ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उद्योग एवं हरित भवन रेटिंग एजेंसी के अन्य वरिष्ठ प्रतिभागियों में श्री नितिन त्यागी, निदेशक, निलय ग्रीन्स एवं श्री संजय सेठ - सीईओ गृह काउंसिल शामिल थे।

श्री एस के होता, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय आवास बैंक ने कहा कि, "राष्ट्रीय आवास बैंक अपने विभिन्न पुनर्वित्त और प्रत्यक्ष वित्त गतिविधियों के माध्यम से देश में किफायती आवास की आपूर्ति को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्य कर रहा है। सनरेफ इंडिया के मध्याम से, हम एक कदम आगे बढ़े हैं और हरित किफायती आवास को भी बढ़ावा दिया है। सनरेफ इंडिया ने देश में अगली पीढ़ी के लिए हरित आवास का मार्ग प्रशस्त किया है और यह बदलाव की शुरुआत मात्र है।"

यूरोपीय संघ और आवासन एवं शहरी मामले मंत्रालय, भारत सरकार स्मार्ट एवं सतत शहरीकरण पर साझेदारी के अंतर्गत मिलकर समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

श्री लॉरेंट ले डैनोइस, अटैच, प्रतिनिधि, यूरोपीय संघ भारत एवं भूटान के समन्वय अनुभाग के टीम लीडर ने कहा कि, "जलवायु पर आवास निर्माण के नकारात्मक प्रभावों से बचने और सततता लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत प्रथाएं आवश्यक हैं। बड़े पैमाने पर शहरीकरण के चरण में होने के कारण, भारत को हरित आवास एवं निर्माण के ऊर्जा कुशल सिद्धांतों का पालन करने की आवश्यकता है।"

श्री जैकी एम्प्रो, दक्षिण एशियाई, क्षेत्रीय निदेशक, एएफडी ने कहा कि , "एएफडी किफायती 'हरित' आवास के विकास का समर्थन करता है, जो भारत में पर्यावरण और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करता है। मुख्यतः शहरी क्षेत्रों में और साधारण आय स्तर वाली आबादी के लिए, भारत में आवास की भारी कमी है। निस्संदेह, 2030 तक 70% आवास का निर्माण होना अभी बाकी है।"

भारत ने पिछले एक दशक में हरित-रेटिंग वाले आवासीय भवनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी है। इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम राष्ट्रीय राजधानी - दिल्ली में आयोजित किया गया था जिसका उद्देश्य हरित किफायती आवास के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना था।

इस जागरूकता को वृहद्ध रूप से प्रचारित करने हेतु, कार्यक्रम के दौरान सनरेफ इंडिया प्रोजेक्ट के तहत विकसित एक टीवी कमर्शियल और प्रोजेक्ट एवं फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में विकासक और घर खरीदारों पर केंद्रित हरित पुस्तिका का भी निर्मोचन किया गया। इन पुस्तिकाओं के विकास का उद्देश्य मध्यम स्तर के विकासक एवं घर खरीदारों को उन प्रौद्योगिकियों से परिचित कराना है जिन्हें उनके पारंपरिक आवास को हरित आवास में बदलने के लिए उनकी निर्माण पद्धति में शामिल किया जा सकता है।

अगले कुछ महीनों में, कार्यक्रम में बताये गए तरीकों को प्रसारित करने, सिफारिशों और संचार वितरणों के प्रसार पर ध्यान केंद्रित करेगा जिन्हें कार्यक्रम के तहत अंतिम रूप दिया गया है।

श्री राहुल भावे, कार्यपालक निदेशक, राष्ट्रीय आवास बैंक ने समापन भाषण एवं धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया ।